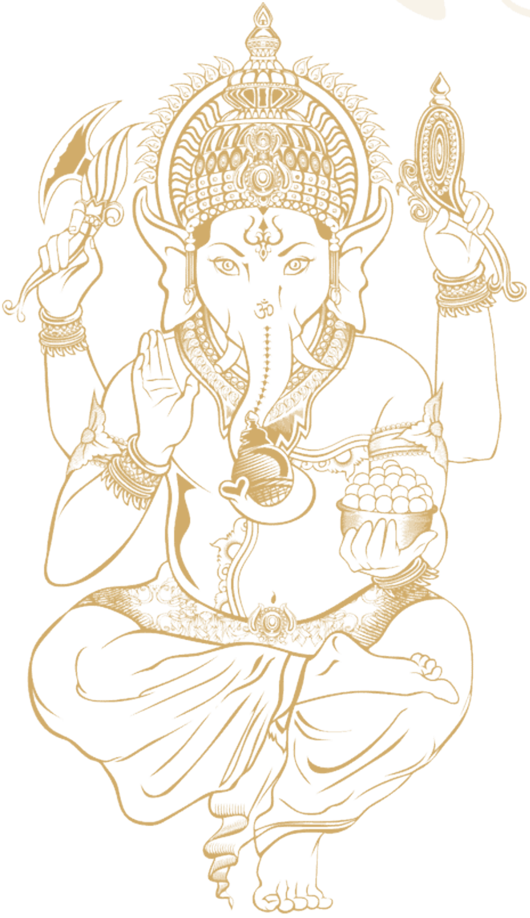

Pratyusha Rani

01 Sep 2002

10:45 AM

Jharsuguda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121164803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/09/2002**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:45:00 घंटे**
इष्ट	12:50:42 घटी
स्थान	**Jharsuguda**
राज्य	Odisha
देश	India

अक्षांश	21:56:00 उत्तर
रेखांश	84:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:51:16 घंटे
वेलान्तर	-00:00:07 घंटे
साम्पातिक काल	09:32:05 घंटे
सूर्योदय	05:36:43 घंटे
सूर्यास्त	18:10:30 घंटे
दिनमान	12:33:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:43:02 सिंह
लग्न के अंश	24:23:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वज्र
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:23:38	319:31:19	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			सिंह	14:43:02	00:58:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	27:33:46	12:41:53	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	सिंह	07:46:14	00:38:11	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			कन्या	11:50:09	00:57:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
गुरु			कर्क	12:39:10	00:12:16	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	00:16:37	00:52:49	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			मिथु	03:44:59	00:04:08	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	19:56:25	00:00:24	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	19:56:25	00:00:24	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	02:29:03	00:02:19	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप	व		मक	14:55:07	00:01:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:01:12	00:00:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	26:43:46	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:24

लग्न-चलित

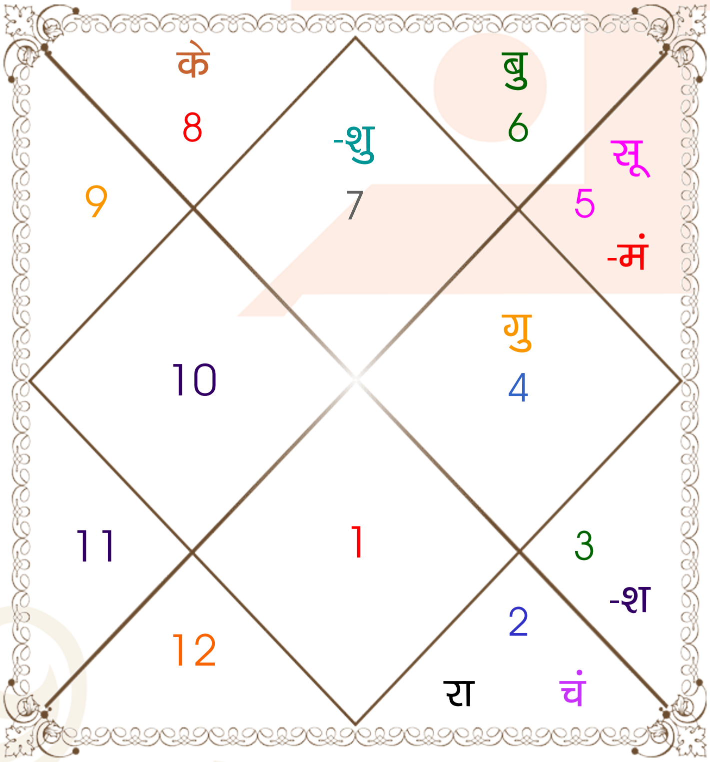

चन्द्र कुंडली

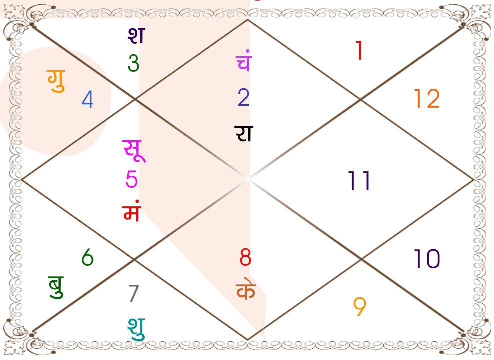

नवमांश कुंडली

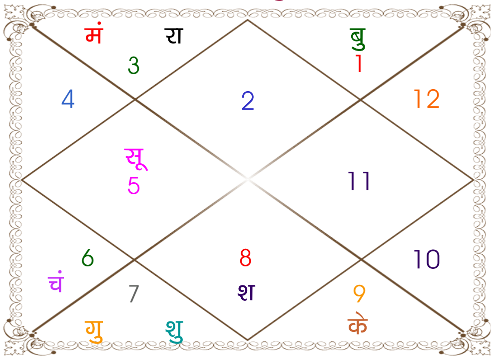

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 9 मास 10 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/09/2002		13/06/2007		12/06/2025		12/06/2041		12/06/2060	
13/06/2007		12/06/2025		12/06/2041		12/06/2060		12/06/2077	
	00/00/0000	राहु	23/02/2010	गुरु	31/07/2027	शनि	15/06/2044	बुध	09/11/2062
	01/09/2002	गुरु	18/07/2012	शनि	11/02/2030	बुध	23/02/2047	केतु	06/11/2063
गुरु	02/11/2002	शनि	25/05/2015	बुध	19/05/2032	केतु	03/04/2048	शुक्र	06/09/2066
शनि	12/12/2003	बुध	12/12/2017	केतु	24/04/2033	शुक्र	04/06/2051	सूर्य	13/07/2067
बुध	09/12/2004	केतु	30/12/2018	शुक्र	24/12/2035	सूर्य	16/05/2052	चंद्र	12/12/2068
केतु	07/05/2005	शुक्र	30/12/2021	सूर्य	12/10/2036	चंद्र	15/12/2053	मंगल	09/12/2069
शुक्र	07/07/2006	सूर्य	24/11/2022	चंद्र	11/02/2038	मंगल	24/01/2055	राहु	27/06/2072
सूर्य	12/11/2006	चंद्र	25/05/2024	मंगल	18/01/2039	राहु	30/11/2057	गुरु	03/10/2074
चंद्र	13/06/2007	मंगल	12/06/2025	राहु	12/06/2041	गुरु	12/06/2060	शनि	12/06/2077

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/06/2077		12/06/2084		13/06/2104		13/06/2110		13/06/2120	
12/06/2084		13/06/2104		13/06/2110		13/06/2120		00/00/0000	
केतु	08/11/2077	शुक्र	12/10/2087	सूर्य	01/10/2104	चंद्र	14/04/2111	मंगल	09/11/2120
शुक्र	08/01/2079	सूर्य	12/10/2088	चंद्र	01/04/2105	मंगल	13/11/2111	राहु	28/11/2121
सूर्य	16/05/2079	चंद्र	12/06/2090	मंगल	07/08/2105	राहु	14/05/2113	गुरु	02/09/2122
चंद्र	15/12/2079	मंगल	13/08/2091	राहु	02/07/2106	गुरु	13/09/2114		00/00/0000
मंगल	12/05/2080	राहु	12/08/2094	गुरु	20/04/2107	शनि	13/04/2116		00/00/0000
राहु	31/05/2081	गुरु	12/04/2097	शनि	01/04/2108	बुध	12/09/2117		00/00/0000
गुरु	07/05/2082	शनि	13/06/2100	बुध	05/02/2109	केतु	14/04/2118		00/00/0000
शनि	16/06/2083	बुध	14/04/2103	केतु	13/06/2109	शुक्र	13/12/2119		00/00/0000
बुध	12/06/2084	केतु	13/06/2104	शुक्र	13/06/2110	सूर्य	13/06/2120		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 9 मा 2 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशवाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरुद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।